हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 12 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 17 .5 डिग्री
न्यूनतम 0 .6 डिग्री

12 परमात्मा सर्वव्यापी, इसका बोध हासिल कर भ्रमों से मुक्ति पाएं

12 अवैध कटों का नेशनल हाइवे, बंद करने का कार्य धीमा, हादसों की बढ़ रही आशंका

पारा शून्य से नीचे पहुंचा, मौसम विभाग का दावा, 13 तक ऐसे ही रहेंगे हालात

हाड़ जमा देने वाली ठंड से ठिठुरा रेवाड़ी सीजन की सबसे ठंडी रही शनिवार की रात

सीजन की सबसे ठंडी रही शनिवार की रात धूप निकलने के बावजूद ठंड ने कंपकंपाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मौसम में अप्रत्याशित रूप से बदलाव आने के कारण रात का तापमान शून्य से नीचे चला गया, जिससे कई इलाकों में सुबह के समय पाला जमा मिला। तापमान गिरने का असर इस कदर रहा कि दिन में तेज धूप के बावजूद कंपकंपाने वाली ठंड ने जमकर परेशान किया। सुबह के समय कोहरे ने वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगाए रखे। 13 जनवरी से ठंड में कमी आने की संभावना जताई जा रही है। रात का तापमान पहली बार मायनस 0.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया गया।

रविवार को सुबह के समय आसमान में घना कोहरा छाया रहा। कई एरिया में कोहरे की दृश्यता काफी कम रही, जिससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार मंद बनी रही। वाहन चालक एक-दूसरे के पीछे लाइटें जलाकर चलते रहे। सबसे तीव्र माने जाने वाले दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर भी वाहनों की स्पीड काफी कम रही। पांच लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन देरी से हुआ, जिससे रेल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे का असर ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रहा। सुबह लगभग 8 बजे सूरज खिलने के बाद कोहरे का असर खत्म होना शुरू हो गया। इसके बाद तेज धूप निकलते ही लोगों को कड़ाके की ठंड से कुछ हद तक राहत मिली। दोपहर बाद तक सरद हवाओं ने कंपकंपी जरूर छुड़ाए रखी। हवाओं की गति लगभग 12 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जबकि नमी का स्तर 72 प्रतिशत तक रहा। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह की शुरूआत भी कड़ाके की ठंड के साथ होने जा रही है, लेकिन सप्ताह के दूसरे दिन तापमान में वृद्धि होने से ठंड का कुछ कम हो सकता है। आसमान साफ रहने के कारण तेज धूप निकलेगी, परंतु ठंडी हवाएं चलने से कंपकंपी वाली सर्दी का असर बरकरार रहेगा।

रेवाड़ी। माइनस में तापमान जाने के बाद एक खेत में फसल पर जमा पाला तथा रविवार सुबह महेंद्रगढ़ रोड पर छाया घना कोहरा। फोटो : हरिभूमि

-0.6 डिग्री रहा शहर का तापमान

■ रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा दृश्यता कम रही

■ सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थमी

पाले से फसलों का बचाव करें किसान

बावल का न्यूयनतम तापमान सीजन में पहली बार माइनस में दर्ज किया गया है। इस क्षेत्र में पाला जमना शुरू हो गया है। इस समय किसानों को फसलों की नियमित रूप से हल्की सिंचाई करनी चाहिए। शाम के समय खेतों के चारों ओर धुआं करना चाहिए। इससे तापमान बढ़कर पाला जमने से रोकेगा।
-डा. धर्मबीर यादव, निदेशक, कृषि अनुसंधान केंद्र, बावल।

जनजीवन हो रहा बुरी तरह प्रभावित

कड़ाके की ठंड का सामान्य जनजीवन पर प्रतिकूल असर देखने को मिल रहा है। सुबह के समय कड़ाके की ठंड होने के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बचते हैं। जरूरी कार्य और नौकरीपेशा लोग ही घरों से बाहर निकलते हैं। सड़कों पर यातायात में कमी देखी जाती है। ठंड बढ़ते ही बाजार में रौनक गायब हो जाती है। दो दिन से सूर्यदेव की तपिश लोगों को कुछ राहत देती है। रविवार को धूप निकलने के बाद लोग पार्कों में घूमते और व्यायाम करते हुए नजर आए। कुछ लोग पार्कों में बैठकर धूप का आनंद उठाते नजर आए।

सीजन में पहली बार जीरो से नीचे पारा

रविवार को अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री की गिरावट के साथ 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री की गिरावट के साथ -0.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इस सीजन में पहली बार पारा शून्य से नीचे गया है। इससे कई इलाकों में सुबह के समय पाला जमा। पाला जमना शुरू होने के साथ ही किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। सरसों की अगेती फसल में फलियों में दाना बनना शुरू हो गया है। सरसों पर पाला जमते ही दाना गलकर खराब हो जाता है, जिससे फसल उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होता है।

यह असर

बिजली की खपत भी बढ़ने लगी

कड़ाके की ठंड के साथ बिजली की खपत भी बढ़ने लगी है। बीते शुक्रवार को जिले में बिजली की दैनिक खपत 60.9 लाख यूनिट रही थी। ठंड बढ़ने के साथ ही बिजली की मांग में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। हीटरख रूम, हीटर व बिजली के अन्य उपकरणों के चलने से लोड बढ़ रहा है। शनिवार को बिजली की खपत बढ़कर 71.51 लाख यूनिट रही।

खबर संक्षेप

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

कोसली। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद गत 21 नवंबर को दर्ज केस में राजस्थान के परतापुर निवासी सरदार सिंह को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया था। पुलिस ने हादसे को अंजाम देने वाला ट्रक भी कब्जे में लिया है। पुलिस ने 31 दिसंबर को दर्ज मामले में राजस्थान के पासपटेहरा निवासी सचिन को गिरफ्तार किया है। खोल थाना पुलिस ने गत 17 दिसंबर को दर्ज मामले में राजस्थान के बलाली निवासी सुलेमान को गिरफ्तार किया है, जबकि मॉडल टाउन थाना पुलिस ने 5 जनवरी को दर्ज मामले में गुरूग्राम के फरीदपुर निवासी सुभाष को गिरफ्तार किया है।

दहेज प्रताड़ना मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत 5 जनवरी को ससुराल पक्ष के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने गुरूग्राम के फरुखनगर निवासी भूपेंद्र को गिरफ्तार किया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

पीओ को गिरफ्तार करने के बाद भेजा जेल

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने एक पीओ को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया। महेंद्रगढ़ के मोहलड़ा निवासी हितेश कुमार को कोर्ट ने दहेज के मामले में पीओ घोषित किया था। कोर्ट ने रामपुरा थाना पुलिस को उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ 6 जनवरी को केस दर्ज किया था। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेजने के आदेश दिए गए।

अवैध शराब के साथ दो आरोपी पकड़े

रेवाड़ी। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि हरिनगर में रह रहा मूल रूप से यूपी के संजय नगर निवासी सागर अवैध रूप से शराब की बिक्री करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर जाकर काबू कर लिया। उसके कब्जे से 16 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया। एक अन्य मामले में राजस्थान के साचौद निवासी धर्मपाल को बावल पुलिस ने काबू किया है।

चोरी के मामले में एक आरोपी चढ़ा हत्थे

कसोला। थाना कसोला पुलिस ने चोरी के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना कसोला क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात के बाद पुलिस ने 20 अगस्त 2024 को चोरी का केस दर्ज किया था। पुलिस को जांच के बाद पता चला कि चोरी की वारदात को नूंह के फिरोजपुर नमक निवासी मोहम्मद आरिफ ने अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

धमकी देने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

जाटूसाना। पुलिस ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर महेंद्रगढ़ के भड़फ निवासी कृष्ण कुमार के खिलाफ बीते साल 26 दिसंबर को केस दर्ज किया था।

परशुराम द्वार बनाने के प्रस्ताव का किया गया स्वागत

रेवाड़ी। ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक रविवार को प्रधान चंद्रशेखर गौतम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों को जानकारी देते हुए कहा कि अत्यंत हर्ष का विषय है कि गत दिनों नगर परिषद की बैठक में भाड़ावास रोड पर भगवान परशुराम के नाम स्वागत द्वार बनाए जाने का प्रस्ताव को पास किया गया है। उन्होंने स्वागत द्वार पास किए जाने पर ब्राह्मण सभा की तरफ से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि नगर परिषद् का यह निर्णय नगर वासियो सहित समस्त ब्राह्मण समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, कैबिनेट मंत्री आरती राव, विधायक लक्ष्मण सिंह यादव तथा नगर परिषद चेयरपर्सन पूनम यादव व सभी नगर पार्षदों का से आभार व्यक्त किया। सभा प्रधान गौतम ने कहा कि भगवान परशुराम सभी समाज के लिए प्रतीक थे। उनके आदर्शों को जीवंत रखने हेतु नगर में भगवान श्री परशुराम के नामकरण से जुड़े कार्य तथा सामाजिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना हरियाणा सरकार द्वारा सराहनीय कदम है। यह द्वार न केवल शहर की पहचान बनेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भगवान श्रीपरशुराम के आदर्शों से प्रेरणा भी देगा। इस अवसर पर उपप्रधान दीपक मुदगिल,महासचिव जयकुमार, कोषाध्यक्ष खुशहाल शर्मा, सहसचिव संदीप भारद्वाज मैनेजर हेमन्त भारद्वाज, दीपक शर्मा, सुरेश शर्मा, कार्यालय मंत्री दिनेश वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

राज इंटरनेशनल स्कूल में 1486 बच्चों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

रेवाड़ी। स्कूल में परीक्षा देने के लिए आए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

■ परीक्षा का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा का आंकलन करना और उत्तीर्ण विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप देना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राज इंटरनेशनल स्कूल में अकादमिक आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें पहली से ग्यारहवीं कक्षा तक के विभिन्न स्कूलों के 1486 बच्चों ने भाग लिया।

इस परीक्षा का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा का आंकलन करना और उत्तीर्ण विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप देना है। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक नवीन सैनी ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करना और उन्हें समाज के जिम्मेदार नागरिक बनाना है। इस दौरान कक्षा पहली से ग्यारहवीं तक की छात्रवृत्ति परीक्षा में टॉप 10 बच्चों को स्कॉलरशिप पुरस्कार दिए जाएंगे। कक्षा दसवीं की छात्रा तनिष्का ने योग के माध्यम से योग महिमा का गुणगान किया, जबकि कक्षा दूसरी की छात्रा आरोही और कक्षा चौथी की छात्रा अराध्या ने मिडब्रेन को परिभाषित किया।

नाईवाली चौक पर पशुओं का जमावड़ा ट्रैफिक पुलिस व वाहन चालाक परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बेसहारा पशुओं को शहर से बाहर करने पर नगर परिषद की ओर से लगातार लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, परंतु यह पशु शहर से बाहर नहीं हो पा रहे हैं। सबसे व्यस्त चौक नाईवाली पर बड़ी संख्या में पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है। इससे वाहन चालकों के साथ-साथ वहां तैनात पुलिसकर्मियों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। अक्सर ट्रैफिक पुलिस के जवान पशुओं को खदेड़ने के लिए उनके पीछे भागते दिखाई देते हैं। गोवंश को गोशालाओं में भेजने के नाम लाखों रुपये की राशि नियमित अंतराल के बाद भेंट चढ़ जाती है। बड़ी संख्या में पशुओं को गोशालाओं में भेजने के दावे किए जाते हैं। इसके बावजूद सड़कों पर पशुओं की संख्या कम नहीं हो पा रही है। नाईवाली चौक पर सुबह के समय एक ओर जहां वाहनों की भीड़ बढ़ जाती है।

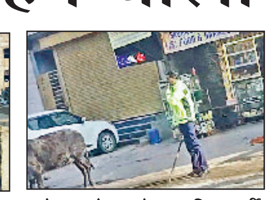

नाईवाली चौक पर सड़क पर खड़ा गोवंश व गोवंश को भगाते हुए पुलिसकर्मी।

फ्लाईओवर पर फरमाते आराम

धूप निकलने के बाद गोवंश नाईवाली चौक फ्लाईओवर से बाइपास के फ्लाईओवर तक पहुंच जाते हैं। धूप में पुल पर पशुओं के जमावड़े के चलते वाहन चालकों के लिए निकलना मुश्किल बना रहता है। अक्सर पशुओं के कारण पुलों पर जाम जैसे हालात बने रहते हैं। पशुओं की दौड़ शहर के बाहर जैसलमेर नेशनल हाइवे व महेंद्रगढ़ रोड तक होती है।

तीन दिवसीय श्रीश्याम उत्सव कल से

कोसली। श्री श्याम सेवा मंडल के सौजन्य से श्री श्याम बाबा का तीन दिवसीय 24वां वार्षिक उत्सव विश्व कर्मा कालोनी स्थित श्रीश्याम मंदिर परिसर में मनाया जाएगा। महोत्सव की तैयारी को लेकर जोर-जोर से तैयारियां की जा रही है। श्री श्यामोत्सव को लेकर उत्सव का माहौल है। मंडल केप्रधान भोलाराम सिंहल ने बताया कि तीन दिन तक चलने वाले इस वार्षिक महोत्सव की शुरूआत 13 जनवरीकोरक्तदान शिवर के आयोजन के साथ की जाएगी। 14 जनवरी को सायं भव्य संकीर्तन समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कोलकाता के प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार विवेक शर्मा, तिजारा से गौरव दत्त, जयपुर से महेश परमार अपने भजनों से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध करेंगे। अगले दिन 15 जनवरी को भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

लोहड़ी पर्व को लेकर बाजार में उमड़ने लगी भीड़

रेवाड़ी। लोहड़ी का पर्व 13 जनवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। लोहड़ी का पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह कृषि समाज की मेहनत, एकता और खुशहाली का भी उत्सव है। लोहड़ी मनाने के लिए लोगों ने लकड़ी आदि की व्यवस्था करनी शुरू कर दी है। बाजार में रेवड़ी, गजक, तिल व गुड़ आदि की दुकानें सज गई हैं। लोग अपनी सामर्थ्य अनुसार मूंगफली, तिल, गुड़, रेवड़ी आदि खरीदते दिखाई दिए। हालांकि इस वर्ष ये सभी खाद्य पदार्थ गत वर्ष की अपेक्षा काफी महंगे दिखाई दिए, लेकिन आस्था को मंहगाई भी कम नहीं कर पाई। परिवार की सुख-समृद्धि, नवजात शिशु के जन्म तथा नवविवाहित जोड़े भी इस पर्व में बढ़-चढकर भाग लेते हैं। नवजात शिशु को लेकर भी परिवार में काफी उत्साह रहता है और नवविवाहिताओं के लिए भी यह पर्व एक विशेष स्थान रखता है। सभी इस पर्व में बढ़-चढकर भाग लेते हैं तथा घर के बड़े-बुजुर्गों व समाज के बुद्धिजीवियों का मान-सम्मान भी इस पर्व पर सार्वजनिक रुप से भी किया जाता है। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि हिंदू पंचांग के अनुसार लोहड़ी का त्योहार मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। मकर संक्रांति को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का संकेत माना जाता है, जो नई फसल के आगमन और दिन के उजाले के बढ़ने का प्रतीक है। यह त्योहार भगवान सूर्य और अग्नि को समर्पित है। सूर्य और अग्नि को ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है।

■ मूंगफली, तिल, गुड़, रेवड़ी खरीद रहे लोग

रेवाड़ी। एक दुकान से लोहड़ी का सामान खरीदते हुए ग्राहक। फोटो : हरिभूमि

बसंत ऋतु आने का संकेत देता लोहड़ी

यह त्योहार सर्दियों के जाने और बसंत ऋतु के आने का संकेत है। लोहड़ी की रात सबसे ठंडी मानी जाती है। इस त्योहार पर पवित्र अग्नि में फसलों का अंश अर्पित किया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से फसल देवताओं तक पहुंचती है। इस पर्व में अग्नि देवता को प्रसन्न करने के लिए किसान लोहड़ी जलाते हैं और उसकी परिक्रमा कर जलती लोहड़ी में गजक और रेवड़ी को अर्पित करते हैं, जिसे शुभ माना जाता है।

राजनीति

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस का उपवास कार्यक्रम

पूर्व मंत्री और विधायक के साथ चार प्रधान, नहीं जुटा पाए पचास कार्यकर्ता, 'परिहास' में बदला उपवास

आपसी गुटबाजी के चलते कार्यकर्ताओं की उपस्थिति नाममात्र

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

एक पूर्व मंत्री, एक विधायक और चार जिला प्रधान। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं की संख्या रही लगभग तीस। कांग्रेस का मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम रविवार को पूरी तरह फ्लॉप शो साबित हो गया। पार्टी नेताओं की गुटबाजी के चलते कार्यकर्ताओं की नाममात्र उपस्थिति ने पार्टी के उपवास कार्यक्रम को परिहास में बदल दिया। कांग्रेस की जिला इकाई की ओर से रविवार को मनरेगा योजना का नाम बदलने का विरोध जताने के लिए उपवास कार्यक्रम का आयोजन गांधी चौक पर रखा था। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री जगदीश यादव, पूर्व विधायक चिरंजीव राव, शहरी जिलाध्यक्ष, ग्रामीण जिलाध्यक्ष, एससी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रमेश ठेकेदार, महिला जिलाध्यक्ष सीमा धमीजा, रेखा दहिया व भरतसिंह आदि नेता प्रमुख रूप से मौजूद रहे। नेताओं की उपस्थिति की तुलना में पार्टी कार्यकर्ताओं की संख्या नहीं के बराबर रही। एक बार फिर इस कार्यक्रम में जगदीश यादव के समर्थक ही दिखाई दिए। शहरी क्षेत्र से कार्यकर्ताओं की संख्या उपस्थित नेताओं के बराबर भी नहीं रही। शहर में रहने वाले शहरी और ग्रामीण जिलाध्यक्ष अपने साथ दर्जन भर कार्यकर्ताओं को भी कार्यक्रम में शामिल नहीं कर सके, जिससे उपवास कार्यक्रम पूरी तरह फ्लॉप शो साबित हो गया। पहले से ही गुटबाजी की शिकार चल रही कांग्रेस में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद आंतरिक तकरार कम होने की बजाय और बढ़ चुकी है। पार्टी के एक खेमे के कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम से पूरी तरह दूरी बनाए रखी। गुटबाजी से ऊपर उठते हुए कुछ नेता एकमंच पर नजर तो आए, लेकिन आपस में नजरें मिलाने तक से भी बचते रहे।

रेवाड़ी। मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेसी नेता। फोटो : हरिभूमि

बृजेंद्र के कार्यक्रम से दूर रहे थे दिग्गज

गत वर्ष के अंत में कांग्रेसी नेता चौ. बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा के मौके पर भी कांग्रेस की फूट खुलकर देखने को मिली थी। इस यात्रा में पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव अग्रणी भूमिका में नजर आए थे, लेकिन हुड्डा खेमे से जुड़े पूर्व मंत्री जगदीश यादव, डा. एमएल रंगा और दूसरे नेताओं ने यात्रा से खुद को पूरी तरह अलग रखा था। लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर के आसपास नजर आने वाले कांग्रेसी भी अपनी पार्टी की पिक्चर से बाहर हो गए हैं।

चिरंजीव समर्थक भी नहीं दिखा सके दम

लगभग चार दशक तक रेवाड़ी हलके में एकछत्र राज कर चुके पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव मनरेगा को लेकर आयोजित कार्यक्रमों में नजर नहीं आ रहे। उनके बेटे पूर्व विधायक चिरंजीव राव राष्ट्रीय सचिव के रूप में पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन रविवार के कार्यक्रम में उनके समर्थकों की संख्या भी 'लाज' बचाने लायक नहीं रही। एक तरह से कांग्रेस का यह कार्यक्रम औपचारिकता साबित होकर रहा गया।

तीन दिवसीय श्रीश्याम उत्सव कल से

कोसली। श्री श्याम सेवा मंडल के सौजन्य से श्री श्याम बाबा का तीन दिवसीय 24वां वार्षिक उत्सव विश्व कर्मा कालोनी स्थित श्रीश्याम मंदिर परिसर में मनाया जाएगा। महोत्सव की तैयारी को लेकर जोर-जोर से तैयारियां की जा रही है। श्री श्यामोत्सव को लेकर उत्सव का माहौल है।

मंडल केप्रधान भोलाराम सिंहल ने बताया कि तीन दिन तक चलने वाले इस वार्षिक महोत्सव की शुरूआत 13 जनवरीकोरक्तदान शिवर के आयोजन के साथ की जाएगी। 14 जनवरी को सायं भव्य संकीर्तन समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कोलकाता के प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार विवेक शर्मा, तिजारा से गौरव दत्त, जयपुर से महेश परमार अपने भजनों से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध करेंगे। अगले दिन 15 जनवरी को भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

सांस्कृतिक विरासत

हरियाणा के हिसार जिले में स्थित प्राचीन राखीगढ़ी एक महत्वपूर्ण सिंधु घाटी सभ्यता का स्थल है। यह भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है। इसे अब तक के सबसे बड़े ज्ञात नगरों में से एक माना जाता है, जहाँ प्राक्-हड़प्पा और परिपक्व हड़प्पा काल के प्रमाण मिलते हैं। इससे यह प्राचीन भारतीय सभ्यताओं की समझ के लिए महत्वपूर्ण है और इसे एक प्रतिष्ठित पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पारिवारिक संबंधों की सुदृढ़ नींव है पर्व 'संकरात'

मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा ही नहीं अपितु समस्त भारत में विभिन्न रूपों तथा नामों से मनाया जाता है। हरियाणा में इस अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ स्नान कर तिल-गुड़, तेल, आटा तथा रूई आदि दान करने का महत्व है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता के अनुसार स्नान-दान से संक्रांति काल का दु:प्रभाव नष्ट हो जाता है। पहले समय में हरियाणा में इस दिन सभी स्त्री-पुरुष, बाल-अबाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करते थे। जो सबसे पहले नहाने का सौभाग्य प्राप्त करता है, उसे 'परबी लूट' लेने का श्रेय मिलता है।

पर्व

डा. रमाकांता

हरियाणा प्रदेश को पर्व-व्रतों का प्रदेश होने का भी गौरव प्राप्त है। यहां त्योहारों को प्रदेश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान प्राप्त है। सप्ताह के सातों दिन पर्व अथवा व्रत के रूप में मनाए जाते हैं। एक महीने में कृष्ण पक्ष तथा शुक्ल पक्ष, दो एकादशी, एक पूर्णिमा, एक अमावस्या व्रत होते हुए भी यहां पर्व तथा व्रतों की लम्बी शृंखला है, जिनमें कुछ पर्व ऋतु प्रधान हैं तथा कुछ ऋतु परिवर्तन पर आयोजित किए जाते हैं। ऋतुओं में सामण-फागण, तीज, होली तथा दुलेहन्डी प्रमुख हैं। इसी प्रकार ऋतु परिवर्तन के आधार पर मनाए जाने वाले पर्वों में बसन्त पंचमी तथा मकर संक्रांति (संकरात) विशेष रूप से जनमानस में मनाए जाते हैं। हरियाणा प्रदेश में मकर संक्रांति को स्नान-दान, पूजा तथा अर्चना करने के रूप में मनाया जाता है। संक्रांति का अर्थ है एक राशि का दूसरी राशि में प्रवेश करना। यह एक ज्योतिषीय आधारित भूगोलीय परिवर्तन होता है जिसका प्रभाव पर्यावरण पर भी पड़ता है। पर्यावरण तथा प्राकृतिक परिवर्तन का प्रभाव जनमानस के जीवन पर पड़ना भी स्वाभाविक है। इस स्थिति को सन्धि अथवा संक्रांतिकाल कहा जाता है। सूर्य, पृथ्वी लोक का प्रत्यक्ष देवता माना जाता है। छह मास तक सूर्य उत्तरायण में तथा छह मास दक्षिणायन में होता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में मकर राशि में आ जाता है। इसे पृथ्वी पर लोकमान्यता के अनुसार सूर्यसंक्रमण कहा जाता है। सूर्य की गतिनिर्धारित है इसलिए इनकी तिथियां भी निश्चित होती हैं। केवल लीप वर्ष में एक दिन का अन्तर पड़ जाता है।

मकर संक्रांति के दिन को पुराणों में महत्वपूर्ण माना गया है। इस समय देह त्यागने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाभारत में भीष्म पितामह ने शरशय्या पर उत्तरायण की कई दिनों तक की प्रतीक्षा की थी तथा उत्तरायण में ही इच्छा-मृत्यु प्राप्त की थी। 'संकरात' पर्व हरियाणा प्रदेश की लोक संस्कृति की ऐसी धरोहर है जो भविष्य में कभी लुप्त नहीं होगी। समय के कालचक्र का कई पारिवारिक तथा सामाजिक संस्कार ग्रास बन गए किन्तु मकर संक्रान्ति पर हरियाणा के प्रायः सभी वर्गों में घर-परिवार के बड़े-बुजुर्गों को मनाने अर्थात मान-सम्मान देने की पीढ़ी-दर-पीढ़ी परम्परा आज भी जीवित है। हरियाणा प्रदेश के पर्वोत्सवों की यह विशेषता है कि प्रत्येक त्योहार किसी न किसी मानवीय, पशु जीवों, देवी-देवताओं से संबंध रखता है। उदाहरण के लिए सावन बहू-बेटी के मान के लिए, 'देवोठनीग्यास' देवों के जागने, 'तुलसी विवाह', वनस्पति सम्मान, 'गोवर्धन', 'गोपाष्टमी', गऊ संवर्धन के लिए, 'रक्षाबंधन' भाई-बहन के लिए, होली के लिए, पिता-पुत्र के संबंधों, गूंगा नवमी, सर्पों की पूजा इत्यादि निश्चित हैं। इसी शृंखला में संकरात का महत्त्व और भी बढ़ जाता है।

इस पर्व का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि प्राचीन संयुक्त परिवार के दर्शन इनके निर्वहन में हो जाते हैं। परिवार में छोटे-बड़े की गरिमा का पूरा ध्यान रखा जाता है। एक दादा की वंशावली में 'प्रोटोकोल' का पूरा ध्यान रखकर यह पर्व मनाया जाता है। जैसे दादसरा, दादस, तायसरा, तायस, पित्तस, मौसस, फूफस आदि। यह पर्व सारे परिवार के सदस्यों को एक सूत्र में बांधने की परम्परा को दर्शाता है। दूसरा लाभ यह भी होता है कि यदि परिवार में किसी प्रकार का मन-मुटाव भी हो तो वह भी एक ही झटके में दूर हो जाता है। सभी इकट्ठे होकर हर्षोल्लास से संकरात मनाते हैं। बुजुर्गों के मनाने के लिए जाते समय महिलाएं वस्त्र, मिठाई, फलादि लेकर जाती हैं। जिस पुरुष अथवा महिला को मान-सम्मान देना होता है, उसे आदरपूर्वक चारपाई-कुर्सी पर बिठाकर, पांव छूकर सारा सामान, मान राशि सहित सौंप दिया जाता है। उसे बदले में बुजुर्ग से ढेर सारे आशीर्वाद मिलते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन तथा मीठे व्यंजनों का आनन्द लेते हैं।

बुजुर्गों के मनाने के लिए जाते समय महिलाएं वस्त्र, मिठाई, फलादि लेकर जाती हैं। जिस पुरुष अथवा महिला को मान-सम्मान देना होता है, उसे आदरपूर्वक चारपाई-कुर्सी पर बिठाकर, पांव छूकर सारा सामान, मान राशि सहित सौंप दिया जाता है। उसे बदले में बुजुर्ग से ढेर सारे आशीर्वाद मिलते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन तथा मीठे व्यंजनों का आनन्द लेते हैं।

मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा ही नहीं अपितु समस्त भारत में विभिन्न रूपों तथा नामों से मनाया जाता है। हरियाणा में इस अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ स्नान कर तिल-गुड़, तेल, आटा तथा रूई आदि दान करने का महत्व है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता के अनुसार स्नान-दान से संक्रांति काल का दुःप्रभाव नष्ट हो जाता है। पहले समय में हरियाणा में इस दिन सभी स्त्री-पुरुष, बाल-अबाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करते थे। जो सबसे पहले नहाने का सौभाग्य प्राप्त करता है, उसे 'परबी लूट' लेने का श्रेय मिलता है। स्नान गांव के तालाब अथवा नदी या कुएं पर किया जाता था क्योंकि सबका तीर्थ स्नान करना संभव नहीं होता था। इसके बाद सभी युवा मिलकर गांव की गलियों तथा मैदानों की सफाई करते थे तथा कूड़ा-कर्कट (घास-फूस लकड़ी) आदि एक स्थान पर एकत्रित कर देते थे। उस कूड़े को जला कर सभी इर्द-गिर्द बैठकर आग सेंकते थे तथा ठंड कम करते थे। हमें अपने पूर्वजों पर गर्व होता है कि उन्होंने प्रत्येक पर्व के आयोजन के पीछे स्वस्थ और पर्यावरण की शुद्धि का विचार पहले रखा। संभवतः संकरात पर सफाई करने की योजना से प्रभावित होकर ही वर्तमान में स्कूलों व कॉलेजों में एनएसएस स्कीम चालू की गई होगी। गांव की सामूहिक सफाई, एक ही दिन, सबके द्वारा करने का इतना सटीक व सुन्दर उदाहरण किसी अन्य संस्कृति में मिलना संभवतः दुर्लभ है। संक्रांत के दिन एक पंथ दो काज सिद्ध होते हैं। एक तो सारे गाँव की सफाई, श्रम की बचत, दूसरा सामुदायिक एकता तथा सुदृढ़ भाईचारे की अभिव्यक्ति। इसके पश्चात् सब मिलकर गुड़-तिल का बना मिष्ठान ग्रहण करते हैं तथा सबमें बांटते हैं। आज भी यह प्रथा कहीं-कहीं प्रचलित है। इस दिन महिलाएं स्नानादि से निवृत्त होकर पीपल, बड़ तथा तुलसी की पूजा करती हैं तथा उनमें सम्बन्धित भजन तथा गीत गाती हैं। बड़ को अक्षय सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। सावित्री ने भी अपने पति के जीवनदान के लिए बड़-पूजन किया था। एक गीत इस प्रकार गाया जाता है -

तैं चैड़ा चिकणा, तैं विरमा का पूत
तेरी डाली सींच के सदा पावैं हम सुख

इस दिन महिलाएं घर में बढ़िया स्वादिष्ट भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान करती हैं। कभी-कभी भोज्य सामग्री जिसे जनभाषा में 'सिद्धा' कहा जाता है, मन्दिरों अथवा ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन डेरों तथा मंदिरों में भंडारे भी लगाए जाते हैं जिसमें खिचड़ी का भोग लगाकर प्रसाद बांटा जाता है। इस दिन खिचड़ी कबनाने के सन्दर्भ में त्रेतायुग की एक घटना प्रासंगिक है जो आज भी जनमानस में कही सुनी जाती है। इस घटना का सम्बन्ध गुरु गोरखनाथ से है।

पौराणिक कथा में है वर्णन

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) गोरखनाथ की तपस्थली है। एक पौराणिक कथा के अनुसार त्रेतायुग में गोरखनाथ भ्रमण करते-करते हिमाचल प्रदेश के 'ज्वालाजी' स्थान पर गए। वहां उन्हें महामाया ज्वालाजी ने भोजन पर आमंत्रित किया, किन्तु गोरखनाथ ने मांसाहार ग्रहण करने से इनकार कर दिया। उन्होंने ज्वालाजी को आग जलाकर तैयार रहने को कहा तथा स्वयं भिक्षा लेकर शीघ्र लौटने की कहकर भिक्षाटन हेतु चले गए। वे अनेक तीर्थों पर गए और अन्त में इरावती नदी के किनारे एक रमणीय स्थान पर एकान्त में तपस्या में लीन हो गए। यह वही स्थान है जहां आज गोरखपुर है। गोरखनाथ फिर कभी वापस ज्वालाजी नहीं गए। गोरखनाथ वहीं सरोवर तट पर एक आसन पर धूना लगाकर बैठ गए। गोरखनाथ की तपःस्थली के आस-पास की जनता में शीघ्र ही यह बात फैल गई कि एक तपस्वी खिचड़ी की भिक्षा लेने हेतु तपोवन में आए हुए हैं। सभी उनके भिक्षा पात्र (खप्पर) में खिचड़ी डालने लगे तथा दर्शन करने लगे। लोगों को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि असंख्य लोगों द्वारा खप्पर में खिचड़ी डालने पर भी खप्पर सदैव खाली रहता। जनता यह जान चुकी थी कि तपस्वी कोई साधारण पुरुष नहीं अपितु कोई चमत्कारी, सिद्ध व दिव्य पुरुष हैं। एक दिन गोरखनाथ ने स्वयं अपने हाथों से खिचड़ी बनाई तथा प्रसाद रूप में जनता को बांटने लगे। असंख्य लोग उस प्रसाद को ग्रहण करते किन्तु खप्पर फिर भी भरा ही रहा। यह चमत्कार मकर संक्रांति को हुआ। यह उपक्रम निरन्तर चालू रहा तथा आगे चल कर इस दिन विशेष मेला भी भरने लगा। गोरखनाथ ने जनता को इच्छानुसार बोरियाँ भरकर खिचड़ी ले जाने को कहा। खप्पर से असंख्य लोग खिचड़ी ले गए किन्तु खप्पर यथावत भरा ही रहा। आज भी गोरखपुर में उसी परम्परा का निर्वहन हो रहा है तथा प्रति वर्ष मकर संक्रांति को यहां पर भव्य खिचड़ी (खिच्चड़) मेला आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर भक्तजन दाल, चावल की खिचड़ी का चढ़ावा चढ़ाते हैं तथा अपनी मन्नत पूरी होने की कामना करते हैं। निसंदेह आस्थावान व्यक्तियों की सभी कामनाएं इस धूने पर मत्था टेकने से पूर्ण होती हैं। इस स्थान को धर्मनाथ पंथ (बारह पंथ में एक पंथ) का 'मथ्या टेक' भी कहा जाता है।

संकरात पर अपने घर के बुजुर्गों को 'मनाने के लिए' जाते समय महिलाएं जकड़ी गीत गाती हुई जाती हैं। उदाहरण स्वरूप जकड़ी गीत दृष्टव्य है-

सास मनै राजी बोलिए, राजी बोलिए
मां-बाप छोड़ कै आई
बहु ए तनै राजी बोलूं ना, राजी बोलूं ना
मेरी धुर की तील ना ल्याई
रे बहु जगाई जागी कोन्या आपे चाकी झोई
पीस छाण कै चढ़ी चुबारे, फिर बी सूती पाई।

गीत | त्रिलोक चंद फतेहपुरी

अनेकता में एकता

अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।
जात धर्म रंग रूप सभ, मिलै एक मिजान मैं ।।

हर प्रदेश की भाषा न्यारी कई ढाळ की बोली सै ।
म्हारी हिंदी सभ भाषा की बण कै रही बिचौली सै ।
गाम शहरां की हमजोली सै, हरदम रहती ध्यान मैं ।
अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।।

तीज -त्यौहार बरत -बडूले सभ के न्यारे न्यारे
कला संस्कृति रीति -रिवाज फैशन के अलग नजारे
एक दूजे के बने सहारे सुख दुःख के दरमियान मैं ।
अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।।

अपणे-अपणे खाण-पाण का लोग लेय चटखारा
मकई बाजरा लिट्टी चोखा इडली डोसा प्यारा
चावल खावै देश यो सारा, मजा मिले मिष्ठान मैं ।
अनेकता में एकता , या देख हिंदुस्तान में।।

कश्मीर से कन्याकुमारी चौपाटी से गौहाटी
वसुधैव कुटुंबकम की निभा रहे परिपाटी
भारत माता की माटी पावन पुनीत विधान मैं ।
अनेकता मैं एकता या देख हिंदुस्तान मैं ।
जात धर्म रंग रूप सभ मिले एक मिजान मैं ।।

लघुकथा | जयदेव राठी

बुजुर्ग की सीख

गाम मैं एक बुजुर्ग आदमी रहै था। उसका नाम था रामसिंह। बुजुर्ग कै धौरै घणी जमीन थी, उनका एक ही बेटा था - धर्म सिंह।

धर्म सिंह बड़ा तेज था। पढ़ाई-लिखाई में होशियार तो था ए, पर उसनै घर के काम-धंधे का कुछ ना आवै था। ना उसनै खेत मै आणा जाणा पडा करता, ना ही उसनै न्यू बेरा था कि खेती क्यूकर करां करै सैं ।

एक दिन रामसिंह नै धर्म सिंह तै कहया, 'बेटा, तू पढ़-लिख ल्यो तो बोहत अच्छी बात सै, पर जमीन तै जुड़ना भी जरूरी सै। चल मेरे गेल्यां खेत्तां मैं।'

धर्म सिंह नै मन मसोस कै हां कर दी। रामसिंह उसनै खेत्तां में ले ग्या सारा दैन उन्नै धर्म सिंह ताईं मिट्टी, पाणी, फसल, अर मौसम के बारै मै बताया। धर्म सिंह नै सोच्या, 'यो सब तो बोहत आसान काम सै।' पर जब उसनै खुद हळ चलाण की कोशिश करी, तो उसकै हाथ मै छाळे पड़ गे।

रामसिंह मुस्कराया अर बोल्या, 'बेटा, किताबी ज्ञान अर धरती का ज्ञान दोन्नु जरूरी होवैं सैं। एक बिना दूसरै कै अधूरा सै।

उस दैन तै धर्म सिंह रोज थोड़ा-थोड़ा खेत्तां में काम करण लाग ग्या । उसनै समझ आ गी के असली ताकत तो मेहनत अर धरती तै जुड़े रहण मै सै।

आज धर्म सिंह एक बड़ा अफसर सै, पर उसकै घर मैं उसकी अपणी छोटी-सी बगिया सै जित वो अपणे हाथ्थां तै सब्जी उगावै सै। बाबा की सीख उसनै हमेशा याद रहवै सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत

यहाँ मिले 'हाकड़ा वेयर' संस्कृति के अवशेष इसे सरस्वती घाटी की सभ्यता से सीधे जोड़ते हैं

करवट लेता इतिहास है हिसार जिले का 'राखीगढ़ी'

सभ्यता | **दिनेश शर्मा 'दिनेश'**

हमें स्कूलों में यही पढ़ाया गया कि हमारी प्राचीनता के प्रमाण 'हड़प्पा' और 'मोहनजोदड़ो' विभाजन के बाद पाकिस्तान के हिस्से में चले गए। भारतीयों के मन में एक कसक थी कि सिंधु घाटी सभ्यता की धड़कन सीमा के उस पार है, लेकिन हरियाणा के हिसार जिले के 'राखीगढ़ी' गाँव ने इस धारणा को अब पूरी तरह से बदल दिया है। माना जा रहा है कि हड़प्पा सभ्यता का शरीर भले ही पाकिस्तान में हो, लेकिन उसकी 'आत्मा' यानि उसकी 'राजधानी' हरियाणा की माटी में दबी हुई है।

पुरातत्व की दुनिया में राखीगढ़ी ने एक नई अवधारणा स्थापित कर दी है। ढेक्कन कॉलेज, पुणे के विख्यात पुरातत्व विशेषज्ञ प्रो. वसंत शिंदे और हरियाणा पुरातत्व विभाग के संयुक्त शोध ने यह सिद्ध कर दिया है कि यह कोई सामान्य बस्ती नहीं थी। जहाँ हम हड़प्पा और मोहनजोदड़ो का गुणगान करते थे, वहीं राखीगढ़ी का फैलाव लगभग 5500 हेक्टेयर क्षेत्र में था। यह आँकड़ा इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे विशाल नगर घोषित करता है। समय के पहिये को पीछे घुमाएं, तो कार्बन डेटिंग बताती है कि आरजीआर-6 से प्राप्त अवशेष 6500 वर्ष पुराने हैं। इसका मतलब यह हुआ कि जब मिस्र और मेसोपोटामिया की सभ्यताएं शैशवावस्था में थीं, तब हरियाणा के मैदानों में एक उन्नत समाज सांस ले रहा था। राखीगढ़ी की खुदाई में मिले साक्ष्य हमें उस दौर की 'इंजीनियरिंग' और 'लग्जरी' से रूबरू कराते हैं। यहाँ नियोजित सड़कें और गलियाँ मिली हैं, जिनकी चौड़ाई मुख्य मार्गों में अधिक तथा आवासीय क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम थी। ये राजस्थान के कालीबंगा की सड़कों से भी अधिक चौड़ी हैं। यह इस बात का सबूत है कि यहाँ व्यापार और आवागमन भारी मात्रा में होता था। खुदाई में यहाँ तांबे के औज़ार,

टेराकोटा की प्रतिमाएँ, मनके तथा सोने-चाँदी के आभूषण प्राप्त हुए हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि राखीगढ़ी एक समृद्ध व्यापारिक केंद्र था। यहाँ के लोग कला-प्रेमी थे और उनका जीवन स्तर बहुत ऊंचा था। उपलब्ध साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि यहाँ आभूषणों का उपयोग और संभवतः निर्माण होता था, जबकि धातु-प्रसंस्करण के कुछ चरण अन्य हड़प्पा केंद्रों से जुड़े रहे होंगे। राखीगढ़ी का सबसे रोमांचक पहलू वह है, जो जमीन के नीचे सोया हुआ है। यहाँ कुल 9 टीले हैं। खुदाई के दौरान विशेषकर आरजीआर-7 में ऐसे कंकाल मिले हैं जो हमारे पूर्वजों की कहानी सुनाते हैं। सबसे अद्भुत खोज लकड़ी के ताबूत में मिला एक कंकाल है। 5000 साल पहले लकड़ी के ताबूत में अंतिम संस्कार करना एक विशिष्ट प्रथा थी, जो संभवतः किसी कुलीन या महत्वपूर्ण व्यक्ति के लिए अपनाई जाती होगी। इन कब्रों पर छतरियां बनाने की प्रथा के भी संकेत मिले हैं। कंकालों का सिर उत्तर दिशा की ओर रखा गया था और उनके पास खाने-पीने के बर्तन रखे गए थे, जो यह बताते हैं कि वे लोग मृत्यु के बाद के जीवन में भी विश्वास रखते थे। अब इन अवशेषों का डीएनए विश्लेषण यह राज खोलेगा कि 5500 वर्ष पूर्व लोगों की शारीरिक संरचना और खान-पान कैसा होता होगा।

इतिहासकार इस बात पर सहमत हैं कि यह शहर अब विलुप्त हो चुकी सरस्वती, दृषद्वती और उसकी सहायक नदियों के प्रवाह क्षेत्र में बसा था। यहाँ मिले 'हाकड़ा वेयर' संस्कृति के अवशेष इसे सरस्वती घाटी की सभ्यता से सीधे जोड़ते हैं। यहाँ पानी की निकासी के लिए पक्की नालियां और सोख्ता गड्ढे मिले हैं, जो बताते हैं कि वे जल-संरक्षण और स्वच्छता के प्रति कितने जागरूक थे। मई 2012 में जब 'ग्लोबल हेरिटेज फंड' ने राखीगढ़ी को एशिया के उन 10 विरासत स्थलों में शामिल किया, जिनके नष्ट होने का खतरा था, तो यह एक चेतावनी थी। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। हाल ही में आयोजित 'राखीगढ़ी महोत्सव' में लाखों लोगों ने शिरकत की और अपनी आँखों से 5000 साल पुरानी दीवारों को देखा। हरियाणा सरकार ने इस स्थल के संरक्षण और विकास के लिए 500 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक अनुदान घोषित किया है। यहाँ एक विश्व स्तरीय संग्रहालय और शोध केंद्र बन रहा है, जिसकी देखरेख का दायित्व हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी को सौंपा गया है।

वास्तव में राखीगढ़ी के टीले महज मिट्टी के ढेर नहीं हैं; ये हमारे स्वाभिमान के स्तंभ हैं। यह महोत्सव और यहाँ चल रहा शोध कार्य आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाता रहेगा कि सभ्यता का सूर्य पश्चिम से नहीं, बल्कि भारत की इसी धरती से उदित हुआ था। डॉ. चंद्र त्रिखा के शब्दों में कहें तो, विसंगतियों से भरे इस उपमहाद्वीप में, राखीगढ़ी ने हमें हमारा खोया हुआ गौरव लौटा दिया है।

नाकामियों से डरना नहीं चाहिए : सुशील दहिया

कलाकार | **डॉ. तबस्सुम जहां**

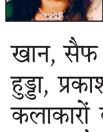

पिंक फिल्म के रंजीत शेरावत, 'रॉक स्टार' के कॉप, 'नो वन किल्ड जैसिका' के आरडी सर, 'थप्पड़' फिल्मके रोमेश सबरवाल, 'बैंड बाजा बारात' फिल्म के ब्रिगेडियर, 'तलवार' के लॉयर, 'मुखबिर' फिल्म के हिदायत अली, 'रेड 2' के चीफ़ मिनिस्टर व 'गोल्ड' के बलदेव सिंह का प्रमुख किरदार निभाने वाले सुशील दहिया अभिनय की दुनिया में अपनी सशक्त पहचान बना चुके हैं।

इन्होंने बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन, इरफ़ान खान, सैफ अली खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, रणदीप हुड्डा, प्रकाश राज, विद्या बालन, अनुष्का शर्मा, जैसे नामी कलाकारों के साथ काम करके अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। बता दें कि अभिनेता सुशील दहिया हरियाणा की पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाली उन गिनी-चुनी शख़्सियतों में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि विदेशी फिल्मों में भी नाम कमाया है। अपनी ग़ज़ब की अंग्रेज़ी बोलचाल की शैली और अभिनय के कारण इनको हरियाणा के 'सईद जाफ़री' के नाम से भी जाना जाता है। सुशील दहिया का अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के स्तर तक पहुंचने का सफर बहुत अच्छा रहा। इसमें उन्हें कुछ चैलेंज ज़रूर आए पर जल्द ही उन्होंने उन पर क़ाबू पा लिया। हालांकि, जिस दौर में वह अभिनय की दुनिया में आए, उस समय हरियाणा में इतना काम नहीं हो रहा था। चूँकि उनकी शुरुआत दिल्ली में रंगमंच से हुई थी, इसलिए हरियाणा में काम की कमी से उन पर ज़्यादा फ़र्क़ नहीं पड़ा।

सुशील ने नेशनल व इंटरनेशनल दोनों स्तर पर काम किया है और अपनी बुलंदी के झंडे भी गाड़े हैं। इनका मानना है कि दोनों में ही मूलभूत अंतर है। अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन वेल्यूज़ बिल्कुल अलग हैं। वहां उच्च दर्जे की प्रोफेशनलिज्म मिलती है। कोई बड़ा छोटा एक्टर नहीं, बल्कि सभी को तक़रीबन एक समान सम्मान मिलता है। इसके विपरीत राष्ट्रीय लेवल में "लीड कास्ट" का वातावरण होता है। हरियाणवी सिनेमा जगत के संदर्भ में ये मानते हैं कि हरियाणा में बेशक सिनेमा की ज़मीन तैयार हो गई है लेकिन निर्माता और दर्शकों की कमी के मामले में यहाँ काफ़ी काम किए जाने की ज़रूरत है। दर्शकों को अगर अच्छा सिनेमा देखने को मिलेगा तो वो इससे जुड़ जाएंगे। अब शायद हरियाणा प्रोड्यूसर्स को ऐतिहासिक कहानियों से आगे सामाजिक, आधुनिक परिस्थितियों पर सोच-विचार करना चाहिए। सुशील दहिया ने कई विदेशी फिल्मों में काम किया है लेकिन वह अपनी पृष्ठभूमि के लिए भी काम करना चाहते हैं। इसके लिए वह तीन साल से कोशिश कर रहे हैं। स्वयं सुशील दहिया के शब्दों में- 'मैं चाहता हूँ कि हरियाणा में काम मिले। कोई यूँ कह के टाल देता है कि महंगे होंगे, कोई यूँ कहकर कि इतना ज़्यादा अनुभव नहीं चाहिए। मगर बात कोई नहीं करता और मुझसे डायरेक्ट बात किए बगैर ही दूर रहतें हैं।' कैरियर के शुरुआती दौर के संदर्भ में उन्होंने बताया कि उनकी सबसे ज्यादा मदद उनके ख़ुद के अनुशासन ने की। इसके अलावा कई अच्छे लोगों ने भरपूर मदद की, पर किसी व्यक्ति विशेष का नाम लेना उचित नहीं हैं। सबसे ख़ास बात यह है कि अभिनय के क्षेत्र में इतना अच्छा करने पर भी अभिनय का इन्होंने कोई ख़ास प्रशिक्षण नहीं लिया। बस स्कूल और कॉलेज में जो सीखा, वही उनके काम आ रहा है। इसलिए वह अनुभव को ही अपने अभिनय के प्रशिक्षण के तौर पर देखते हैं। यही वजह है कि बॉलीवुड में इनके पास काम की कोई कमी नहीं है और इन्होंने आने वाले समय में भी कई अच्छ-अच्छे प्रोजेक्ट साइन किए हैं। इसके बावजूद सुशील हरियाणवी सिनेमा के प्रति अपने ज़ज्बे को बरकरार रखते हुए उसमें भी एक अभिनेता के रूप में काम करना चाहते हैं। बॉलीवुड में अभिनय के जो सशक्त हस्ताक्षर हैं, उनमें अधिकांश के साथ इनको काम करने का अवसर मिला है।

हरियाणा में सिनेमा के क्षेत्र में आगामी पीढ़ी को वह संदेश देते हैं कि उन्हें मेहनत से नहीं डरना चाहिए और न ही अपनी नाकामियों से। जब कामयाबी मिल जाए तो अपने पैर ज़मीन पर ही रखने चाहिए। सदा सैट पर अपनी पूरी तैयारी के साथ जाना चाहिए। सैट पर सभी की इज़्ज़त करना चाहिए और भाव नहीं खाना चाहिए।

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। ग्रामसभा के लिए सरपंचों को दिशा-निर्देश देते हुए बीडीपीओ।

बीडीपीओ ने सरपंचों को दिए निर्देश

मंडी अटेली। अटेली खंड के गांवों में ग्रामसभा की बैठकों को प्रभावी ढंग से आयोजित कराने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों के सरपंचों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नवदीप ने की। बैठक में आगामी ग्राम सभाओं की तिथियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और सरपंचों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बीडीपीओ नवदीप ने जानकारी दी कि अटेली खंड की सभी ग्राम पंचायतों में 17, 18, 24, 25, 31 जनवरी तथा एक फरवरी को ग्रामसभा की बैठकें आयोजित की जाएगी।

कनीना। डॉ. मुरली मनोहर जोशी के साथ प्रवक्ता सचिन कुमार।

प्रवक्ता सचिन कुमार ने फिर बढ़ाया क्षेत्र का मान

कनीना। नई दिल्ली स्थित नेपाल दूतावास में विश्व हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे हिन्दी भाषा के वैश्विक स्तर पर प्रचार प्रसार को लेकर देश के सुप्रसिद्ध विद्वानों ने अपने विचार रखे। विश्व हिन्दी परिषद व नेपाल दूतावास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व मानव संसाधन मंत्री मुरली मनोहर जोशी थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रखर वक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी रहे।

संघ के इतिहास, वर्तमान सामाजिक परिवर्तनों व जन जिज्ञासाओं पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आयोजित की नागरिक गोष्ठी

- संघ की यात्रा केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं बल्कि समाज में चरित्र निर्माण अनुशासन, सेवा व राष्ट्रभक्ति की चेतना जागृत करना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से सूरज स्कूल में आयोजित प्रमुख नागरिक गोष्ठी अत्यंत अनुशासित, प्रेरणादायी व विचारोत्तेजक वातावरण में सम्पन्न हुई। मुख्य वक्ता प्रांत कार्यकारिणी आमंत्रित सदस्य प्रदीप व विभाग कार्यवाह नरेश भिवानी थे। गोष्ठी को तीन सत्रों में विभाजित किया गया, जिसमें संघ के इतिहास, वर्तमान सामाजिक परिवर्तनों व जन जिज्ञासाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रथम सत्र में नरेश ने संघ की स्थापना, मूल विचारों, उद्देश्यों व राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संघ की यात्रा केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं, बल्कि समाज में चरित्र निर्माण, अनुशासन, सेवा एवं राष्ट्रभक्ति की चेतना जागृत करने की रही है। स्वतंत्रता संग्राम से वर्तमान तक के सेवा कार्य, आपदा प्रबंधन, सामाजिक समरसता व सांस्कृतिक संरक्षण प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने युवाओं से राष्ट्र कर्तव्यबोध व सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। यह वक्तव्य विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरक सिद्ध हुआ।

द्वितीय सत्र में प्रदीप ने पंच परिवर्तन पर विचार प्रकट किए, इसे कोई नारा न बताते हुए व्यावहारिक सामाजिक बदलाव की दिशा करार दिया। सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवनशैली, कुटुंब प्रबोधन व नागरिक कर्तव्यों जैसे पांच आयामों पर चर्चा की। उन्होंने कहा यदि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे परिवर्तन अपनाए, तो समाज व राष्ट्र में बड़े बदलाव संभव हैं। दैनिक जीवन के व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत कर श्रोताओं को प्रभावित किया। तृतीय सत्र में उपस्थित जनसमूह ने पंच परिवर्तन के आयामों सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य व परिवार प्रबोधन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। अपने क्षेत्रों में सामाजिक कार्य, जनजागरण अभियान, सेवा गतिविधियों व सकारात्मक परिवर्तन प्रयासों पर प्रकाश डाला।

नारनौल। कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

वक्ताओं ने की सराहना

वक्ताओं ने इनकी सराहना की व निरंतर सक्रियता का आह्वान किया। यह सत्र प्रेरणादायक एवं संवादात्मक रहा, जिसमें श्रोताओं की प्रतिबद्धता स्पष्ट झलकी। समापन एवं प्रभाव समापन पर आयोजकों ने सभी अतिथियों, वक्ताओं व नागरिकों का आभार व्यक्त किया। बलबीर सिंह ने सभी प्रमुख नागरिकों से कहा कि वे अपने जीवन में पंच परिवर्तन उतारें व राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। संघ महेंद्रगढ़ के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसी गोष्ठियां राष्ट्रभाव, सकारात्मक सोच व सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करती हैं।

वरिष्ठ नागरिक संगठन ने 90 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को किया सम्मानित

किला रोड स्थित कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

वरिष्ठ नागरिक संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने बताया कि रविवार को किला रोड स्थित कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में 90 वर्ष से अधिक आयु की चार महिलाओं ग्यारसी देवी मोहल्ला संघीवाड़ा, भगवती देवी बावड़ीपुर, भरपाई लहरोदा तथा मिट्ठी देवी मोहल्ला मिंया की सराय और छह पुरुषों हरिराम मोहल्ला पुरानी मण्डी, श्याम लाल मोहल्ला पीरागा, सूरजभान जांगिड़ मोहल्ला पुरानी मण्डी, श्योनाथ मोहल्ला पुरानी सराय, हनुमान दास नारनौल एवं फतेहचन्द मोहल्ला सलामपुरा को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में उन तीन वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपनी आयु के 80 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। उनमें सेवानिवृत्त प्राचार्य जयप्रकाश कौशिक, पुरूषोत्तम आर्य और प्रभातीलाल के नाम शामिल हैं। समारोह में संगठन में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मास्टर भागीरथ प्रसाद और सुरेश जांगिड़ को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त निडी हेल्प ग्रुप के प्रधान मनीष गोगिया को समाज के लिए किए जा रहे कल्याणकारी कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि चेयरमैन बाबूलाल यादव एवं समारोह की अध्यक्ष पूर्व वरिष्ठ भूवैज्ञानिक वासुदेव यादव रहे। संगठन के प्रधान ने बताया कि 90 वर्ष से अधिक आयु के सम्मान के लिए बुजुर्गों को समाज का मार्गदर्शक हैं। हमें इनकी रहनुमाई में परिवारों में अच्छे संस्कार दिए जाएं और बुजुर्गों का यथायोग्य सम्मान किया जाए। मुख्य अतिथि मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रधान बाबूलाल यादव ने सम्बोधन में कहा कि विशेषतौर पर ग्रामीण आंचल में युवाओं में नशे की प्रवृत्ति अधिक बढ़ती जा रही है। इसे बुजुर्गों के सहयोग से गांव-गांव जाकर संगठित होकर युवाओं का आह्वान किया जाएगा कि वे नशे से दूर रहें और एक स्वस्थ समाज के निर्माण मे सहयोग करें। कार्य्रकम की अध्यक्षता कर रहे वासुदेव यादव ने कहा कि हमें वृद्धों का सम्मान करना चाहिए। यह समाज के लिए प्रेरणादायक और मार्गदर्शक है। इनके बिना समाज अधूरा है और यह हमारी धरोहर है। डा. कृष्णा आर्या ने एक लोकगीत के माध्यम से समाज के लिए वृद्धों का महत्व बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप मे प्रमुख समाजसेवी अरूण कुमार नूनीवाला, मार्केट कमेटी अटेली के चेयरमैन दिनेश जैलदार भी मौजूद रहे।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस समारोह का संचालन महासचिव मुखराम सैनी ने किया। इस समारोह में संगठन के संरक्षक अजीत जैन, यादराम नम्बरदार, शिवहरि अग्रवाल, सोहनलाल चौहान, लैक्चरर एसोसिएशन पूर्व प्रधान ओपी यादव, विजय सिंह रहीश, जसवंत सिंह, बीएल सैनी, शिवलाल वर्मा, सोमप्रकाश अग्रवाल, बिशन सिंह यादव, मास्टर जयदयाल, गणेश हरित, रविन्द्र कुमार चौधरी, संगठन के पूर्व सचिव सुरेश भारद्वाज, नरसिंह दायमा, कैलाश चन्द निर्मल, रोहतास सिह लाम्बा, रामबिलास यादव, हरिद्वारीलाल वर्मा, ओमप्रकाश बत्रा, ब्रह्मप्रकाश रोहिल्ला, सरदार महेन्द्र सिंह, नरेंद्र कुमार धौलिया व बाबूलाल गोयल आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। बैठक को संबोधित करते प्रदेश प्रभारी नेतराम एडवोकेट। फोटो : हरिभूमि

धनौंदा में हुई बसपा की जिलास्तरीय बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय बैठक गांव धनौंदा में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश प्रभारी नेतराम एडवोकेट व स्टेट जोन प्रभारी महेंद्र सिंह जाजोरिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अटेली विधानसभा से प्रत्याशी रहे नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम को संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान प्रमोद कटारिया ने की।

उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं व अतिथियों ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर व बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के चित्रों पर पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रदेश प्रभारी नेतराम एडवोकेट ने बहुजन समाज पार्टी की नीतियों के बारे में बताया और उपस्थित कार्यकर्ताओं से ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। स्टेट जोन प्रभारी महेंद्र सिंह जाजोरिया ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी ही समाज के सभी वर्गों की हितैषी पार्टी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी 15 जनवरी को बसपा सुप्रीमो मायावती के जन्मदिवस पर गुरुग्राम में आयोजित जन कल्याणकारी दिवस सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की। नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने प्रदेश सरकार को हर मोर्चे पर विफल और नाकारा बताते हुए कार्यकर्ताओं से इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर गुरुग्राम जिला अध्यक्ष नेतराम बौद्ध, कपिल देव बाछौदिया, पवन धनखड़, उमेद सिंह यादव, राजवीर अगिहार, राकेश यादव, अतरपाल गौड़, प्रशांत, वीरसिंह, शेरसिंह वाल्मीकि, अतरपाल, सुरेश, राकेश यादव, पवन प्रजापत आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नांगल चौधरी। बेस्ट स्वयंसेवक को सम्मानित करते डीएसपी सुरेश कुमार।

प्रिया व विधि कुमारी बनी बेस्ट स्वयंसेवक

नांगल चौधरी। सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न हो गया। समापन समारोह में ट्रैफिक विभाग के डीएसपी सुरेश कुमार व संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य राजेश कुमार ने की। इस दौरान सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक रहे प्रिया कुमारी, विधि कुमार व नातिया को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया तथा ट्रैफिक नियमों की जागरूकता लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के अभियान को जन जन तक पहुंचाना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है। वहीं चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का प्रयोग करना चाहिए। तेज गति, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाना, शराब पीकर ड्राइविंग करना और गलत साइड से ओवरटेक करना दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। डीएसपी ने विद्यार्थियों से नशाखोरी रोकने में समाज की मदद करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ट्रैफिक एसएचओ नरेश कुमार, संयोजक सुनील यादव, कुलदीप कुमार, सुमित्रा, अमर सिंह आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। श्रीगौड़ परिषद की बैठक में विचार विमर्श करते समाज के प्रबुद्धजन। फोटो : हरिभूमि

गौड़सभा ने युवाओं की प्रतिभा निखारने की सौंपी जिम्मेदारी

नांगल चौधरी। भगवान परशुराम सदन में श्रीगौड़ सभा की वार्षिक बैठक प्रधान राधेश्याम शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें समाज के युवाओं की तकनीकी व शैक्षणिक प्रतिभा निखारने की रूपरेखा बनाई गई। इसके लिए समाज के शिक्षकों तथा अन्य सक्षम लोगों को जिम्मेवारी सौंपी गई। इस दौरान समाज में फैली दहेज प्रथा तथा नशाखोरी को मिटाने के लिए विचार विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि विप्र समाज ने हमेंशा संगठन भावना को विकसित करने में योगदान दिया है। समाज को संस्कार व शिक्षा की दिशा देकर विभिन्न कुरीतियों को मिटाने में पहल की है, जिसके चलते भारत की एकता और अखंडता मजबूत बनी है, लेकिन बीते 15 से 20 सालों से पश्चिमी देशों की संस्कृति का प्रभाव बढ़ने से संगीन अपराधों का ग्राफ बढ़ गया, युवा वर्ग नशे की तरफ अग्रसर होने लगा है।

एग्री स्टैक पोर्टल पर आईडी बनाने के लिए गांवों में लगाए जा रहे विशेष कैंपः एसडीएम

- एसडीएम कनिका गोयल ने गांवों का दौरा कर पंजीकरण कार्य का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

एसडीएम कनिका गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा किसान हित में 18 दिसंबर 2025 से एग्री स्टैक पोर्टल की शुरुआत की गई है। इस पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के सभी काश्तकार किसानों की एक यूनिक आईडी बनाई जा रही है, जिससे किसान अपनी भूमि से संबंधित सभी रिकॉर्ड ऑनलाइन देख सकेंगे और भविष्य में कृषि से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। एसडीएम कनिका गोयल ने गांव निम्बी, झगड़ौली, माजरा खुर्द व बवानिया गांव में जाकर एग्रीटेक कार्य का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा गांव-गांव जाकर विशेष कैंप के माध्यम से किसानों की एग्री स्टैक पोर्टल पर आईडी बनाई जा रही है। प्रत्येक गांव में गठित टीम में राजस्व विभाग से एक पटवारी, कृषि विभाग से एक अधिकारी तथा एक कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल है। उन्होंने बताया कि किसान जिस भी गांव में प्रशासन द्वारा कैंप लगाए जा रहे हैं।

महेंद्रगढ़। कैंप का निरीक्षण करती एसडीएम कनिका गोयल। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। महाराजा अजमीढ़ देव महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए।

सोने-चांदी के भाव बढ़ने पर स्वर्ण संघ ने जताई चिंता

नारनौल। स्वर्णकार सेवा संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार लाम्बा ने शहर में स्वर्णकार समाज के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने अजमीढ़ चौक पहुंचकर महाराजा अजमीढ़ देव महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस उपलक्ष्य में नारनौल स्वर्णकार समाज के गणमान्यजनों ने लांबा का पगड़ी एवं फूलमालाएं पहनाकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस मौके पर लांबा ने चांदी और सोने में बहुत तेजी से भावों में बढ़ोतरी को लेकर आपसी वार्तालाप कर व्यापारिक चिंता जताई। इससे होने वाले नुकसान के लिए सरकार तक अपनी बात रखने के लिए एकजुटता होने पर भी बल दिया। इस मौके पर पूर्व नगर पार्षद दयानंद सोनी समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़। विधायक को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गोसेवा हमारी संस्कृति व परंपरा का अभिन्न अंग

महेंद्रगढ़। विधायक कंवर सिंह यादव ने श्री कृष्ण बाबा गुदड़िया गोशाला माधोगढ़ में नौ लाख रुपये की लागत से निर्मित टीनशेड का रिबन काटकर विधिवत उद्घाटन किया। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि गोसेवा हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। गोवंश केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। गोमाता की सेवा से समाज में सकारात्मक सोच तथा मानवीय मूल्यों का विकास होता है। विधायक ने कहा कि बेसहारा एवं संरक्षित गोवंश की समुचित देखभाल, चारा, स्वच्छ पानी और सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार एवं जनप्रतिनिधि गोवंश संरक्षण और गोशालाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, ताकि गोवंश को सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन मिल सके। विधायक ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी गोशालाओं के संरक्षण एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

नारनौल। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को कम्बल वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कंबल वितरित करना सामाजिक जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण

नारनौल। समाजसेवा व मानवीय संवेदनाओं को सशक्त रूप देने के उद्देश्य से अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से मकर संक्रांति के पावन अवसर पर कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कल्लूमल बगीची में आयोजित इस समारोह में मुख्यातिथि महेश गुप्ता ने अग्रवाल वैश्य समाज के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक संगठनों की ओर से इस प्रकार के सेवा कार्य प्रशासन के प्रयासों को भी मजबूती प्रदान करते हैं। मकर संक्रांति जैसे पवित्र व सामाजिक समरसता के पर्व पर जरूरतमंदों को कंबल वितरित करना न केवल मानवीय कर्तव्य है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण भी है। कड़ाके की सर्दी में एक कंबल किसी के लिए केवल वस्त्र नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक होता है।

कार्यक्रम अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने किया युवा स्वर काव्योत्सव का आयोजन

साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं समाज का पथ प्रदर्शकः डॉ. मनोज भारत

शिक्षाप्रद साहित्य समाज को देता है प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होना चाहिए। साहित्य समाज के लिए प्रेरणादायक व शिक्षाप्रद होने के साथ-साथ समाज और देश के लिए पथ प्रदर्शक होना चाहिए। उक्त विचार भिवानी से पहुंचे अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. मनोज भारत ने सरस्वती बाल मंदिर विद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित युवा स्वर काव्योत्सव में अध्यक्षीय उद्बोधन में कहे। कार्यक्रम संयोजक परिषद के संगठन मंत्री डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि मुख्य अतिथि राजकुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि किसी देश व समाज को जानने के लिए उसके साहित्य का महत्व होता है। शिक्षाप्रद साहित्य समाज को प्रेरणा देता है। प्रमुख समाजसेवी मुख्य अतिथि पवन बाछौदिया ने अपना संदेश प्रेषित किया और कहा कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद साहित्य सेवा के माध्यम से देश सेवा का कार्य कर रही है, जो सराहनीय है।

नारनौल। कार्यक्रम में मौजूद परिषद के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विपिन शर्मा, प्रो. दलजीत शास्त्री, परमानंद दीवान, रामसिंह मधुर, केसरी नंदन, टिंकू प्रधान, श्रीकांत भारद्वाज, सरोज कश्यप, सुभाष कश्यप, प्राचार्य ईश्वर यादव, अमित शर्मा, अजय शर्मा, पवन गुप्ता, नरोत्तम सोनी, भीमसेन शर्माए राकेश शर्मा, आनंद जोशी, कृष्ण कुमार शर्मा, हेमंत कुमार, धीरज भयाना, सुनील चुघ, पवन अरोड़ा, अमित शर्मा, विजय कौशिक सहित अनेक साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

अतिथियों व कवियों का किया स्वागत

कार्यक्रम में सानिध्य प्रदाता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास मानव ने देश व विश्व की वर्तमान स्थिति से जुड़े हुए दोहे सुनाएं। परिषद के इकाई अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने अतिथियों व कवियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में कवियित्री खुशबू जैन द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के पश्चात युवा कवि यतिन चारण गोविंदपुरी ने घर से दूर जब जब कोई परिंदा जाता है, ऐश ओ आराम उसे कहां तक भाता है। ओशिन शुक्ला ने वीर रणबांकुरों की ना कोई कमी, पुनीता इतनी है अपनी यह सरजमी सुनाकर तालियां बटोरी। वहीं राधा की ढाणी से आए कवि कुमार विकास ने झांसी वाली रानी को सुन खून मेरा है खोला सुनाकर रंग जमा दिया। रेवाड़ी से आए कवि मनोज कौशिक ने जीवन है एक साज सुरीला इसको रोज बजाता चल, हांसी से आई कवियित्री खुशबू जैन ने स्वामी विवेकानंद ने वेदांत को सिखाया, क्या है हमारा भारत दुनिया को यह दिखाया सुनाकर स्वामी विवेकानंद को नमन किया।

मंडी अटेली। प्रेस कांफ्रेंस करते अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार। फोटो : हरिभूमि

राव इंद्रजीत सिंह ने अहीरवाल को विकास की मुख्यधारा से जोड़ाः दिनेश जैलदार

मंडी अटेली। मार्केट कमेटी अटेली के चेयरमैन दिनेश जैलदार ने रविवार को अटेली में एक प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों को पूरी तरह निराधार हैं। ऐसे लोगों को पहले अपनी गिरेबान में झांककर यह देखना चाहिए कि राव इंद्रजीत सिंह ने उनके लिए क्या नहीं किया। राव इंद्रजीत सिंह केवल एक नेता नहीं, बल्कि अहीरवाल क्षेत्र के विकास के शिल्पकार हैं, जिन्होंने न जाने कितने लोगों को राजनीति में स्थापित किया, उन्हें परिपक्व किया और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया। राव इंद्रजीत सिंह एक बड़े दिलवाले, दूरदर्शी और जमीनी नेता हैं, जो हमेशा क्षेत्र के हितों को सर्वोपरि रखते हुए विकास के लिए संघर्षरत रहते हैं। भारतीय जनता पार्टी द्वारा उन्हें नीति आयोग में क्रियान्वयन एवं प्लानिंग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ मंत्री का दर्जा दिया जाना उनकी कार्यक्षमता, अनुभव और विकास के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे बेहद खतरनाक, हर एक किलोमीटर पर तीन से चार अवैध कट

अवैध कटों का नेशनल हाइवे, बंद करने का कार्य धीमा, हादसों की बढ़ रही आशंका

नेशनल हाइवे पर वाहनों की गति काफी तेज होती है। अवैध कटों के स्थान पर कोई सांकेतिक चिन्ह नहीं होते। इन कटों के कारण जब कोई गाड़ी पेट्रोल पंप या ढाबे से बाहर निकलती है, तो दिल्ली या जयपुर की ओर से आने वाले वाहनों के इन वाहनों से टकराने की आशंका बढ़ जाती है। साल में इन कटों के कारण 300 से अधिक हादसे हो जाते हैं। एनएचएआई की ओर से कट बंद करने के बाद खोलने वाले लोगों पर कोई एक्शन नहीं लिया गया है।

ढाबा और पेट्रोल पंप मालिक बेलगाम, अभी तक नहीं हुई कोई एफआईआर

नरेन्द्र वत्स ▸▸| रेवाड़ी

सड़क सुरक्षा कमेटी की हर माह होने वाली बैठक महज औपचारिकता बनकर रह गई है। हर बैठक में सड़क सुरक्षा के नाम पर नेशनल हाइवे पर बने अवैध कटों को बंद कराने और फिर से खोलने पर एफआईआर दर्ज कराने का उपदेश दिया जाता है। इस उपदेश पर अभी तक कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई है। सड़क सुरक्षा से जुड़े अधिकारी एनएचएआई को बार-बार अवैध कट बंद कराने के लिए रिमांडर भेजते हैं, परंतु एनएचएआई के अधिकारियों की सेहत पर कोई असर नहीं हो रहा है। जिले से गुजरने वाले तीन एनएच में से सर्वाधिक 113 अवैध कट दिल्ली-जयपुर एनएच-48 पर हैं, जिनके कारण हर माह हादसे हो रहे हैं। लगभग तीन वर्ष पूर्व सीएम की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में हुई सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में सख्त आदेश दिए गए थे कि प्रदेश के किसी भी नेशनल हाइवे पर अवैध कट बनाने वाले लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। जिले से गुजरने वाले तीन नेशनल हाइवे पर कटों की भरमार है, लेकिन आज तक एनएचएआई की ओर से कोई भी एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। तीनों एनएच पर अवैध कटों की कुल संख्या लगभग 120 है, जिन्हें ब्लैक स्पॉट भी माना जा रहा है। आरटीए कार्यालय के अधिकारियों से लेकर ट्रैफिक पुलिस तक एनएचएआई के अधिकारियों को इन कटों को बंद करने के लिए पत्र लिखे चुके हैं, परंतु एनएचएआई की ओर से इस दिशा में तेजी से कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। रोहतक और जैसलमेर नेशनल हाइवे पर अवैध कटों की संख्या कम है। इन दोनों हाइवे की बजाय दिल्ली-जयपुर हाइवे पर वाहनों की संख्या कई गुणा ज्यादा होती है। इसी हाइवे पर कट भी सबसे ज्यादा बने हुए हैं। इन कटों को बनाने वालों में सर्वाधिक संख्या होटल व ढाबा मालिकों की है, जबकि पेट्रोल पंप संचालक दूसरे नंबर पर हैं।

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर पर अवैध कट के कारण नाले में फंसी कार का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। एनएच-48 पर अलग-अलग स्थानों पर बनाए गए अवैध कट।

एनएचएआई करा रही कट बंद

एनएचएआई की ओर से अवैध कटों को बंद कराने की प्रक्रिया शुरू की हुई है। धारूहेड़ा की ओर से कट बंद कराने की शुरूआत काफी समय पहले की गई थी। अब धारूहेड़ा से बावल की ओर कट बंद कराने का कार्य चल रहा है।
-पवन कुमार, डीएसपी ट्रैफिक।

कट बंद होते ही धंधे पर भी बड़ी मार

पेट्रोल पंप और ढाबा चलाने वाले लोगों का धंधा कट के साथ ही बंद हो जाता है। कई जगह अवैध कट बंद होते ही पेट्रोल पंप और ढाबों तक पहुंचने के लिए वाहन चालकों को लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। हाइवे पर कोई भी वाहन चालक लंबा चक्कर नहीं लगाते। ऐसे में कट बंद होने के साथ ही पंट्रोल पंपों से लेकर ढाबा मालिकों तक का धंधा मंद पड़ जाता है। यही कारण है कि कट बंद कराने के बाद उन्हें फिर से खोल दिया जाता है।

ओवरलोड वाहन चालकों को देते शरण

कई पेट्रोल पंप और ढाबों पर अवैध कटों के सहारे ओवरलोड वाहन चालकों को शरण दी जाती है। सूत्रों के अनुसार धारूहेड़ा और खेड़ा बैरियर के बीच कई ऐसे पेट्रोल पंप और ढाबे हैं, जहां आरटीए टीम के पीछा करते हुए ओवरलोड वाहन चालक अपने वाहन चालकों को ढाबे या पंप पर खड़ा कर देते हैं। इसके बाद आरटीए की टीम वहां पहुंचती है, तो पहले से मौजूद आपराधिक किस्म के लोग झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं।

तीनों नेशनल हाइवे पर अवैध कटों की स्थिति

सड़क	पेट्रोल पंप कट	होटल कट	अन्य कट
एनएच-48	40	62	05
एनएच-11	2	0	03
एनएच-35	202	1	05

लायंस क्लब ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

रेवाड़ी। समाजसेवी स्व. लायन श्यामसुंदर सिंहल की पुण्यतिथि के अवसर पर लायंस क्लब रेवाड़ी द्वारा लायंस भवन, मॉडल टाउन, रेवाड़ी में निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। स्व. श्यामसुंदर सिंहल एक महान समाजसेवी एवं अत्यंत विनम्र व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्होंने अपने जीवन में बिना किसी भेदभाव के हर जरूरतमंद की सहायता की और सेवा को ही अपना धर्म माना। यह शिविर लायंस क्लब रेवाड़ी के तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें शहर एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रोजेक्ट चेयरमैन लायन डॉ. रिजुल सैनी व लायन रितेश भार्गव के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में 150 से अधिक मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधा प्रदान की गई।

शिविर में 73 युवाओं ने किया रक्तदान

कोसली। भाकली गांव के सामुदायिक भवन में ग्राम पंचायत व सौजन्य से रविवार को एम्स बाढसा की टीम के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 73 रक्त दाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्त दान किया। शिविर का शुभारंभ सुबेदार सीताराम साहब, सूबेदार मेजर सुरेश कुमार, सरपंच श्याम सिंह, प्रो नागेश कुमार, उमेद कुमार,अनिल कुमार, जगदीश, देशरामव गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। ग्राम पंचायत की ओर से सभी रक्त दाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं टी शर्ट भेंट कर सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

चिकित्सा शिविर में 96 मरीजों की स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा के तत्वावधान में गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में रविवार को फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 96 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। सभा के प्रवक्ता प्रो. सतीश यादव ने बताया कि शिविर में आने वाले मरीजों को फ्री ओपीडी सेवाएं व दवाइयां प्रदान की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों से पीड़ति मरीजों का स्वास्थ्य जांचकर उन्हें दवाएं दीं। इस मौके पर सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशी भूषण, अमर सिंह, राम सिंह व अशोक आदि मौजूद थे।

अरावली बचाने के लिए जन जागृति यात्रा शुरू

रेवाड़ी। अरावली पर्वत श्रृंखला के अस्तित्व को बचाने के लिए रविवार को जन जागृति यात्रा निकाली गई, जिसका समापन नेताजी सुभाष पार्क में हुआ। यह यात्रा कुंड-मनेठी से शुरू होकर पार्क तक पहुंची। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि गत दिनों सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले में 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को अरावली पर्वत मानने की जो बात कही गई है, उससे अरावली पर्वत माला का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।

यूजी व पीजी इवन सेमेस्टर की कक्षाएं आज से शुरू

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

स्थानीय राजकीय महाविद्यालय में यूजी एवं पीजी पाठ्यक्रमों की इवन सेमेस्टर की कक्षाएं सोमवार से प्रारंभ की जाएंगी। प्राचार्या डा. लाज कौशल ने बताया कि इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की ओर से आयोजित विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी हैं। इसके बाद अब महाविद्यालय में नियमित शैक्षणिक गतिविधियों की शुरूआत की जा रही है। विश्वविद्यालय की ओर से विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 दिसंबर 2025 से आरंभ होकर 8 जनवरी 2026 तक चलीं। हालांकि कुछ परीक्षा केंद्रों पर शनिवार तक परीक्षाएं आयोजित की गईं। परीक्षाओं के समापन के साथ ही अब इवन सेमेस्टर के अध्ययन कार्य को प्रारंभ करने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार, सभी विभागों में इवन सेमेस्टर की कक्षाओं का अध्ययन कार्य निर्धारित समय सारिणी के अनुसार शुरू किया जाएगा। विद्यार्थियों को नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्राचार्या प्रो डा लाज कौशल ने स्पष्ट किया कि यदि कोई विद्यार्थी बिना किसी पूर्व सूचना के लगातार दस दिनों तक अनुपस्थित रहता है तो उसका नाम महाविद्यालय के रोल से काट दिया जाएगा।

मनरेगा का नाम बदलना निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्णः चिरंजीव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

पूर्व विधायक व कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव चिरंजीव राव ने कहा कि सरकार के पास नई योजनाएं शुरू करने के अनेक अवसर हैं, लेकिन गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण भारत से जुड़ी ऐतिहासिक योजना मनरेगा का नाम बदलना निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा सरकार ने मनरेगा योजना का नाम बदलकर गरीं के हक पर डाका डालने का काम किया है। चिरंजीव रविवार को मनरेगा का नाम बदलकर जी राम जी योजना शुरू करने के विरोध में कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी अनशन कार्यक्रम के तहत उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह केवल नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि यह गरीबों के संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है और साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम, सम्मान और उनके विचारों का भी अपमान है। धरने से पूर्व कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकतार्ओं ने गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान गांधी जी अमर रहेंह्व, मनरेगा बचाओ, गरीबों के अधिकारों से खिलवाड़ बंद करो जैसे नारे लगाए गए। चिरंजीव राव ने कहा कि मनरेगा योजना ने ग्रामीण गरीबों को रोजगार, आत्मसम्मान और आर्थिक सुरक्षा दी है, जिसे कमजोर करने की किसी भी कोशिश को कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस की चार स्पष्ट मांगें हैं, काम की गारंटी, मजदूरी की गारंटी और जवाबदेही की गारंटी सुनिश्चित की जाए। मनरेगा में किए गए सभी बदलावों की तत्काल वापसी की जाए। काम के संवैधानिक अधिकार की पूर्ण बहाली की जाए। न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन निर्धारित की जाए।

रेवाड़ी। अनशन कार्यक्रम के दौरान गांधी चौक पर मौजूद कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

ये नेता रहे मौजूद

इस एक दिवसीय अनशन में प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री एमएल रंगा, पूर्व मंत्री जसवंत यादव, जिला कांग्रेस कमेटी के दोनों प्रधान, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष सीमा धमीजा, रेखा दहिया सहित कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संघर्ष रहेगा जारी

मनरेगा से छेड़छाड़ नहीं होगी बर्दाश्तः जगदीश

पूर्व मंत्री जगदीश यादव ने कहा कि यदि भाजपा सरकार ने इन मांगों को नहीं माना और मनरेगा के नाम व स्वरूप से छेड़छाड़ बंद नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी आने वाले समय में विरोध प्रदर्शन को और तेज करेगी, सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी और गांव-गांव जाकर जनता को भाजपा की गरीब-विरोधी नीतियों के खिलाफ जागरूक करेगी। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया कि मनरेगा गरीबों की जीवनरेखा है और इसे कमजोर करने या इसकी पहचान मिटाने की किसी भी साजिश के खिलाफ कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर संसद तक पूरी ताकत से संघर्ष जारी रखेगी।

खेल भावना से खेलें सभी खिलाड़ी

डहीना। समाजसेवी व वरिष्ठ नेता विक्रम पांडे ने कहा कि खेलों में हार-जीत होती रहती है। खिलाड़ियों को उसकी परवाह किए बिना खेलों को खेल की भावना से खेलना चाहिए। वह रविवार को सीहा क्रिकेट क्लब की ओर से गांव में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करने के बाद खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के युग के खेलों का बड़ा महत्व है। खिलाड़ी प्रदेश व राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा रहे हैं। खिलाड़ियों को सुविधाओं की भी कोई कम नहीं है। ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या में खेल प्रतिभाएं निखरकर सामने आ रही हैं, जो इलाके का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि क्लब की ओर से जिस तरह से प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है, इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन नियमित रूप से होना चाहिए। इस मौके पर क्लब के प्रधान व पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

डहीना। सीहा में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए विक्रम पांडे।

स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद के 163वें जन्म दिवस के उपलक्ष में क्षेत्र की अग्रणी सामाजिक संस्था हिंदुस्तान 123 राष्ट्र प्रथम व भारत विकास परिषद शाखा के तत्वाधान में एक कार्यक्रम झज्जर रोड पर संस्था के जिला सेवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दिनेश सैनी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। संस्था की युवा सेवा टीम ने पूरे कार्यक्रम का संयोजन किया। कार्यक्रम में एक रक्तदान शिविर व स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालती हुई विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष वंदना पोपली तथा संस्था के हरियाणा प्रदेश सेवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नवीन सैनी, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन मुकेश गोकल व प्रदेश सेवा प्रकोष्ठ के सदस्य रमेश सचदेवा, प्रेम कौशिक, हरीश चौहान, सुनील भार्गव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित व राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गाकर की गई। इसके बाद युवाओं टीम द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया जिसमें पवन वर्मा, प्रशांत यादव ,जोगेंद्र सैनी, सोनू बत्रा, डॉक्टर अनिल, अमितेंद्र ,एडवोकेट मनन शामिल रहे। वंदना पोपली ने कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रत्येक युवा विश्व पटल पर हिंदुस्तान का नाम रोशन कर सकता है बशर्ते वह नशे और दुर्व्यसनो से दूर रहे तथा स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपनाए और जीवन में संघर्ष करना सीखें । क्योंकि स्वामी विवेकानंद ने भी कहा है कि संघर्ष जितना बड़ा होगा सफलता भी उतनी बड़ी होगी।

खबर संक्षेप

टीम ने घर-घर जाकर पढ़ाया नशा मुक्ति का पाठ

रेवाड़ी। नशा मुक्त रेवाड़ी अभियान के तहत पुलिस की नश मुक्ति टीम ने रविवार को फतेहपुरी, कहाडी व मोतला कलां में घर-घर जाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम लगातार गांवों और शिक्षण संस्थाओं में जाकर ग्रामीणा तथा विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने में लगी हुई है। टीम से जुड़े सदस्यों ने ग्रामीणों को बताया कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। आप सभी विद्यार्थी देश का भविष्य हो । पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाओ, नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहो।

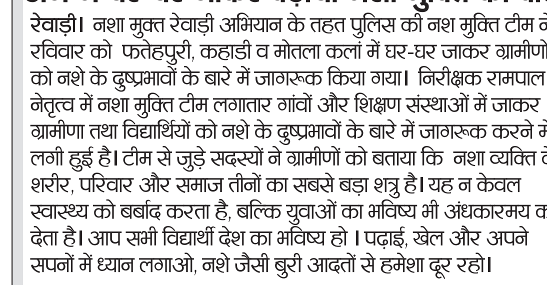

पीआरटी अध्यापकों को नवीन शिक्षण तकनीकों से करवाया अवगत

जाटूसाना। खंड जाटूसाना में दो दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण चार समूहों में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में खंड जाटूसाना सहित अन्य जिलों से आए कुल 180 पीआरटी अध्यापकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य बालवाटिका से कक्षा 3 तक के विद्यार्थियों को पढ़ाने हेतु नवीन शिक्षण तकनीकों से शिक्षकों को अवगत कराना रहा। प्रशिक्षण के दौरान भाषा एवं गणित विषयों को रोचक एवं प्रभावी ढंग से पढ़ाने की नई विधियों पर विस्तार से जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण चार समूहों में संचालित किया गया, जिससे सभी प्रतिभागियों को सक्रिय सहभागिता का अवसर प्राप्त हुआ। इस प्रशिक्षण में एमटी के रूप में सपना एबीआरसी, मनीषा बीआरपी, शुभकरण एबीआरसी एवं प्रियंका एबीआरसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं प्रशिक्षण कार्य में रमीण, सुनील बीआरपी, सुनीता एबीआरसी, नरेंद्र एबीआरसी, विकास एबीआरसी, विनोद एबीआरसी सहित अन्य शिक्षकों ने सहयोग प्रदान किया। प्रशिक्षण का आयोजन जीपीएस जाटूसाना में किया गया, जहां विद्यालय के मुखिया नरेंद्र तथा समस्त स्टाफ ने उत्तम व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। प्रशिक्षण समन्वयक की भूमिका नरेश चौहान एवं विवेक शर्मा द्वारा निभाई गई।

कार्यक्रम संसार में हम जितनी भी चीजें देखते अथवा अनुभव करते हैं वह सारी परिवर्तनशील हैं : महात्मा ज्योति प्रकाश

परमात्मा सर्वव्यापी, इसका बोध हासिल कर भ्रमों से मुक्ति पाएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

परमात्मा सर्वव्यापी है, इसका बोध हासिल करके ही इंसान भ्रमों से मुक्ति पा सकता है। इसका बोध पूर्ण गुरु की किरपा से होता है। संसार में हम जितनी भी चीजें देखते अथवा अनुभव करते हैं वह सारी परिवर्तनशील हैं। इनमें से किसी भी पदार्थ को शाश्वत सच्चाई नहीं कहा जा सकता। केवल परमात्मा, ईश्वर, निरंकार, चाहे किसी भी नाम से पुकारे, यही सच्चाई है और इस सच्चाई से जुड़ कर ही लोक सुखी और परलोक सुहेला होगा। आज निरंकारी मिशन के सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज इस परमात्मा का बोध कराकर इस सच्चाई से जोड़ रहे हैं। यह शब्द जम्मू कश्मीर से प्रचार यात्रा पर आए निरंकारी मिशन के ज्ञान पर प्रचारक महात्मा ज्योति प्रकाश ने शहर के निरंकारी सत्संग भवन में प्रवचन के दौरान कहे।

निरंकारी भवन में भक्ति पर्व आयोजित किया गया जिसमें जिले भर की संगतों ने शामिल होकर परमात्मा और सतगुरु के प्रति शुक्राने का भाव प्रकट किया। ज्योति प्रकाश ने स्कंद पुराण का वृतांत सुनाते हुए कहा कि माता पार्वती जी ने जब भगवान शिव से पूछा कि दुनिया में तरह तरह के गुरु हैं, पूर्ण गुरु की पहचान कैसे हो तो भगवान शिव ने सात प्रकार के गुरुओं के बारे में माता पार्वती जी को बताया। भगवान शिव ने उन्हें बताया कि संसार में सात प्रकार के गुरु हैं, इनमें सूचक, वाचक, बोधक, निषिद्ध, विहित, कारणाख्य और परम गुरु हैं। जो परम गुरु है वह सब गुरुओं का गुरु है और वहीं तत्ववेता होता है। परम गुरु ही पूर्ण गुरु है। वास्तविक सत्यता तो केवल इस निराकार परमात्मा में है जिसे विभिन्न नामों से पुकारा जाता है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए ज्योति प्रकाश तथा सत्संग करते हुए ज्योति प्रकाश व मौजूद श्रोता। *फोटो : हरिभूमि*

भक्ति केवल साधन नहीं, बल्कि साध्य है

इस निरंतर एकरस रहने वाली सच्चाई को अपनाने से निसंदेह हम सभी प्रकार के भ्रमों से मुक्ति पा सकते हैं। सतगुरु सिखाते हैं कि जीवन का अर्थ समझने के लिए हमें अपने स्वार्थ से परे जाकर मानवता की सेवा करनी है। सतगुरु समझाते हैं कि भक्ति केवल साधन नहीं, बल्कि साध्य है। जब भक्ति जीवन का केंद्र बन जाती है, तो सांसारिक सुख गौण हो जाते हैं। सतगुरु द्वारा प्रदत्त आध्यात्मिकता हमारी सोच, हमारी दृष्टि, हमारे प्रेम, सेवा, समर्पण, करूणा व अन्य दिव्य गुणों का विस्तार करती है।

सत्य का संदेश

सत्संग बनाता है सोच को व्यापक

संगत में आकर ब्रह्मज्ञान प्राप्त करना और संतों के वचनों को सुनना, हमारी सोच को व्यापक बनाता है। जब हम इस निराकार से जुड़ते हैं, तो जीवन के हर रंग को अपनाते हुए उससे पृथक भी रहना सीखते हैं। यह निराकार हर समय, हर स्थिति में मौजूद है। इसे पहचानकर, हर व्यक्ति अपने जीवन को सही दिशा में विस्तार कर सकता है। ज्योति प्रकाश ने अपनी प्रचार यात्रा के दौरान हजारीवास, बावल में भी सतगुरु का सत्य का संदेश दिया।